OFFICE OF THE PRINCIPAL

D.P. VIPRA COLLEGE, BILASPUR (C.G.)

NAAC ACCREDITED "A" GRADE

PHONE: 07752-424497, E-mail- dpvipracollege@gmail.com

Best Practice I: Social services through extension and outreach activities of the institution.

Objectives:

- To spread awareness regarding COVID19 to the rural peoples.
- To distribute masks and sanitizers to have-nots.
- To spread the message of physical distancing and personal hygiene among the people
- To lay emphasis on multiple hand washing at least once in an hour for 20 seconds.
- To distribute food grains and food packets to the needy.

Context:

The institution feels that there is always a section of the society that is deprived of the basic needs such as food, clothing and medicines. During the pandemic COVID19 we came across various instances where the poor people are starving as most of the people became jobless and they did not have a single peny to spend. The institution realizes the seriousness of the situation and telephonically a meeting was organized to discuss the grimness of the situation and to find out the ways to help the poor and the ground trodden. In this context the institution with the help of the NSS volunteers distribute the masks and sanitizer to the needy people.

Practice:

People of the society including our faculty and students were severely affected during the COVID-19 pandemic. The institution used its resources to provide relief to the affected in terms of sanitizers, masks and food packets. The members of the alumni committee also joined hands in this nobel endeavor. The institution has also donated oxygen cylinders, medical beds, oxi-meters etc.

PRINCIPAL
D.P. Vipra College
Bilaspur (C.G.)

Evidence of Success:

When students of NSS, NCC and RC are involved in the process of planning, implementation and execution of community related activities, there is a change in their outlook towards society. The success of the program is in helping students understand their participation in COVID-19 pandemic and the compelling evidence improved excess to the needy people.

These programmes scope on improving the understanding of life situations with all uncertainties and the need to gear-up to face odd situations. The impact of involving students in relief work has sharpened their leadership qualities, improved their perception of the outreach learning environment, a sense of fulfillment, self-motivation and attitudes towards life and society in general.

Problems encountered and Resources required:

As the situation was very grim during the pandemic volunteers and cadets of NSS, NCC and Red Cross tried to reach the needy inspite of looming threat of being affected. During providing relief, there was inadequacy in meeting the people's needs and the volunteers were helpless as there were more beneficiaries then the relief materials available.

Principal
D.P. Vipra College,
Bilaspur (C.G.)

PRINCIPAL
D.P. Vipra College,
Bilaspur (C.G.)

OFFICE OF THE PRINCIPAL

D.P. VIPRA COLLEGE, BILASPUR (C.G.)

NAAC ACCREDITED "A" GRADE

PHONE: 07752-424497, E-mail- dpvipracollege@gmail.com

Best Practice II: Institutional Scholarship and Free ships for Students.

Objectives:

- To motivate the students who receive highest marks in the examination.
- To uplift their spirit for better study.

Institute also provides free ships to the following:

- Students who showed excellence in sports activities.
- Students who comes below poverty line.
- Students who got the recommendations of the elite persons.
- Children are of the teaching and non-teaching staff members.

Context: The main goal is to provide scholarship for the students of Arts, Commerce and Science students of the institution. These scholarships are provided by the philanthropists for token of motivation to the students. The institute also provides free ships to the wards of teaching and non-teaching staff of the institution.

Practice: The institutional free ships and scholarship given by the philanthropists encourage the students to secure highest marks in the examination.

Evidence of Success: The outcome of the best practice is to inculcate the competitive sprit among the students so that they can perform with maximum potential in the examinations. During the year 2020-21 the institutional free ship and scholarship provided to 34 students.

Problem Encountered and Resources Required: As we have huge strength, despite our best efforts the number of scholarships is falling short. The institution tries its level best to procure more scholarship in the near future from the philanthropists in order to motivate the students from all disciplines to excel their skill and mettle.

Principal
D.P. Vipra College,
Bilaspur (C.G.)

PRINCIPAL
D.P. Vipra College
Bilaspur (C.G.)

Best Practices 2020-21

रायपुर, रविवार 23 मई 2021
www.dailypioneer.com

पायनियर

डी.पी. विप्र महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किये जा रहे सतत अन्नदान सहयोग

पायनियर संवाददाता ◀ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

स्थानीय डीपी विप्र महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेविकाएं महाविद्यालय प्रशासन के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों व बस्तियों के ऐसे जरूरतमंद परिवार,जो दैनिक वेतनभोगी हैं। प्रतिदिन रोजी मजदूरी कर अपने परिवारजनों का पेट पालते हैं। इस वैश्विक महामारी के संक्रमण को रोकने हेतु प्रशासन द्वारा जारी किए गए लॉकडाउन के दौरान सभी आर्थिक गतिविधियों के बंद हो जाने से ये निर्धन परिवार भोज्य पदार्थों की आपूर्ति कर पाने में असहाय हो रहे हैं। भोज्य पदार्थों की कमी होने की इस विकट परिस्थिति को देखते हुए सम्बंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ऐसे ज़रूरतमंद परिवारों तक पहुंच कर उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं ताकि इस वैश्विक महामारी में उन्हें किसी प्रकार की भोजनापूर्ति सम्बन्धी समस्याओं का सामना ना करना पड़े द्य स्वयंसेवकों द्वारा लगातार नगर के विभिन्न वार्डों में जरूरतमंदों तक खाद्य सामग्रियां उपलब्ध कराई जा रही है द्य

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सेविकाएं पहले नगर के विभिन्न निचले क्षेत्रों जहां पर मजदूर एवं दैनिक रोजी-रोटी पर आधारित वर्ग निवास करता है, वहां पर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से एक सर्वे अभियान चलाया जाता है जिसके माध्यम से विभिन्न परिवारों की आवश्यकताओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर वे आसपास के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनको जरूरत की सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।

इस सहयोग कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों सेविकाओं द्वारा तैयार भोजन के 200 पैकेट्स नगर के विभिन्न क्षेत्रों पर, विभिन्न वार्डों एवं क्षेत्रों में सब्जी, फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री, कुल 150 सूखा राशन के किट्स बनाकर वितरित किये जा रहे हैं। इसी बीच कुछ क्षेत्रों में अधिक आवश्यकता महसूस होने के कारण 50 सूखा राशन किट्स तैयार कर उन ज़रूरतमंदों को सहायता पहुंचाई जा रही है।

महाविद्यालय प्रशासन सहयोग के लिए तत्पर : महाविद्यालय प्रशासन समिति के सम्मानीय अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, सम्मानित सदस्य एवं प्रसिद्ध उद्योगपति राजकुमार अग्रवाल, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अंजू शुक्ला, डॉ मनीष तिवारी, डॉ. विवेक अंबलकर, डॉ मधुसूदन तंबोली सगराम चन्द्रवंशी एवं महाविद्याल के सभी प्राध्यापकगण सदैव सक्रि रुप से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उक्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम का नेतृत कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर रीन ताम्रकार, प्रोफेसर यूपेश कुमार वे द्वारा किया जा रहा है तथा स्व सेवकों को हर संभव सहायत पहुंचाई जा रही है। इस वैश्विक महामारी के कारण अनेक मजदूर व के लोग जो कि आर्थिक आपदा से जूझ रहे हैं उन तक स्वयंसेवक/सेविकाएँ पहुंचते हैं औ उनसे चर्चा कर ज्ञात करते हैं वि कोरोना महामारी से सुरक्षित रहने हे उनके द्वारा क्या उपाय किये जा र हैं। ततपश्चात विभिन्न सावधानियों वे विषय में जानकारी प्रदान कर उन टीकाकरण के विषय में जानकारी कर टीकाकरण करवा कर कोरोन संक्रमण में कमी लाने का प्रयास करने हेतु जागरुक किया जा रहा है

वैश्विक महामारी: निम्नवर्गीय परिवारों को भोज्य पदार्थ उपलब्ध करा रहा डीपी की रोसेयो

बिलासपुर। स्थानीय डीपी विप्र महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक /सेविकाएं महाविद्यालय प्रशासन के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों व बस्तियों के ऐसे जरूरतमंद परिवार,जो दैनिक वेतनभोगी हैं। प्रतिदिन रोजी मजदूरी कर अपने परिवारजनों का पेट पालते हैं। इस वैश्विक महामारी के संक्रमण को रोकने हेतु प्रशासन द्वारा जारी किए गए लॉकडाउन के दौरान सभी आर्थिक गतिविधियों के बंद हो जाने से ये निर्धन परिवार भोज्य पदार्थों की आपूर्ति कर पाने में असहाय हो रहे हैं। भोज्य पदार्थों की कमी होने की इस विकट परिस्थिति को देखते हुए सम्बंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ऐसे ज़रूरतमंद परिवारों तक पहुंच कर उन्हें आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।

500 परिवारों को कर चुके अन्नदान द्वारा सहयोग

इस सहयोग कार्य म के तहत स्वयंसेवकों/सेविकाओं द्वारा तैयार भोजन के 200 पैकेट्स नगर के विभिन्न क्षेत्रों पर, विभिन्न वार्डों एवं क्षेत्रों में सब्जी,फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री,कुल 150 सूखा राशन के किट्स बनाकर वितरित किये जा रहे हैं। इसी बीच कुछ क्षेत्रों में अधिक आवश्यकता महसूस होने के कारण 50 सूखा राशन किट्स तैयार कर उन ज़रूरतमंदों को सहायता पहुंचाई जा रही है।

सर्वे के आधार पर पहुंचते हैं स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों/सेविकाएं पहले नगर के विभिन्न निचले क्षेत्रों जहां पर मजदूर एवं दैनिक रोजी-रोटी पर आधारित वर्ग निवास करता है,वहां पर जनप्रतिनिधियों के सहयोग से एक सर्वे अभियान चलाया जाता है जिसके माध्यम से विभिन्न परिवारों की आवश्यकताओं के विषय में जानकारी प्राप्त कर वे आसपास के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनको जरूरत की सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं।

डीपी विप्र के स्वयं सेवक बांट रहे मास्क

बिलासपुर| डीपी विप्र कॉलेज की रासेयो के स्वयं सेवकों द्वारा कोरोना से सुरक्षा के दृष्टि से लोगों के लिए प्रतिदिन दो घंटे निकालकर मास्क तैयार कर रहे हैं। साथ ही उसे वितरित भी कर रहे हैं। प्रो. रीना ताम्रकार, प्रो यूपेश कुमार ने बताया कि वे 5 हजार मास्क वितरित कर चुके हैं। इसीक्रम में रासेयो के समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा को 50 मास्क दिए।

रासेयो इकाई ने 5 हजार स्व-निर्मित मॉस्क का किया वितरण

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क

lokswar.in

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के अंतर्गत डीपी विप्र महाविद्यालय की रासेयो इकाई कोरोना से सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगातार मास्क बनाकर वितरित कर रही है।

स्वयं सेविकाओं व कार्यक्रम अधिकारी प्रतिदिन 2 घंटे का समय निकाल कर जन सेवा के लिए मास्क बनाने का लक्ष्य रखा और अपने-अपने क्षेत्र में अब तक कुल 5 हजार मॉस्क का वितरण किया। यह सेवा कार्य अब भी जारी है। मॉस्क निर्माण में स्वयंसेविका शारदा श्रीवास, नम्रता पांडेय, रीना यादव, अंजलि गोंड़, छाया निषाद, पुष्पलता, हेमलता, प्रतिभा साहू,

अन्नपूर्णा, नीलम, आकांक्षा सहित अन्य सहयोग प्रदान कर रही हैं। इकाई ने कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना अटल बिहारी विश्विद्यालय डॉ.मनोज सिन्हा को भी 50 मॉस्क भेंट किए हैं।

घरों व मोहल्लों को किया जा रहा है सैनिटाइज

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क

lokswar.in

बिलासपुर। अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय विप्र महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आशीष चतुर्वेदी (वरिष्ठ स्वयंसेवक) ने ग्राम मस्तूरी में घर-घर जाकर छिड़काव और ग्राम में स्थित क्वारंटाइन सेंटर को भी सैनिटाइज किया। डॉ. एमएस तम्बोली, प्रो. रीना ताम्रकार (कार्यक्रम अधिकारी), प्रो.यूपेश कुमार (कार्यक्रम अधिकारी) के मार्गदर्शन में स्वयंसेवक कोरोना से बचाव के कार्य में संलग्न हैं साथ ही सामाजिक हित के लिए अनेक कार्य बढ़-चढ़कर कर रहे हैं।

वरिष्ठ स्वयंसेवक द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में दिए जा रहे इस योगदान पर डॉ. मनोज सिन्हा, डॉ. संजय तिवारी, डॉ.अंजू शुक्ला, डॉ. विमल पटेल, डॉ. मनीष तिवारी ने सराहना की है।

रोको अउ टोको वॉरियर्स बने एनएसएस के स्वयंसेवक

बिलासपुर/नवप्रदेश। यूनिसेफ छत्तीसगढ़ एवं मीडिया कलेक्टिव फॉर चाइल्ड राइट्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में बिलासपुर जिला प्रशासन के सहयोग से 18 मई से कोरोना महामारी से सुरक्षित रहने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन जारी रखने हेतु 'रोको अउ टोको' अभियान शुरु किया गया है। जिसके अंतर्गत नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड व मोहल्लों में जाकर लोगों को कोरोना महामारी के प्रति सचेत रहने तथा सावधानी लगातार बरतने हेतु जागरुक किया जा रहा है। उनके साथ इस अवसर पर समाज में रोको टोको अभियान को जन जागरूकता का स्वरूप देकर इस

अभियान में जुटकर इसे सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना , डी.पी.विप्र महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक /सेविकाएं आकाश सोनी, रीना यादव, हेमलता महिलांग,मोइन खान, छाया निषाद, तंजीम बेगम, मनीष सिंह, राहुल भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जिसमे इनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों व बस्तियों मे जाकर प्रतिदिन कोरोना के नियम व वैक्सीन लगाने को लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। ज्ञात हो किराष्ट्रीय सेवा योजना, डी. पी.विप्र महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.रीना ताम्रकार, प्रो.यूपेश कुमार के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों/सेविकाओं द्वारा कोरोना महामारी से निपटने हेतु विगत वर्ष से लगातार हर लोगों को सुरक्षा हेतु जागरुक करने के लिए ऑनलाइन व ऑफ्लाइन माध्यम से जनसम्पर्क आदि द्वारा विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं।

मीडिया कलेक्टिव फॉर चाइल्ड राइट्स के जिला समन्वयक अभिषेक चौबे जी के द्वारा बताया गया कि रोको टोको अभियान में हमारी टीम तीन महीने के लंबे अभियान के दौरान शहर के वार्डों में 100 से अधिक युवा स्वयंसेवक, कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे शहरों में झुग्गियों, अपार्टमेंट, बाजार, होटल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और चौराहों पर जाकर लोगों को कोविड व्यवहारों के बारे में शिक्षित करते हुए उनका पालन करना सुनिश्चित कर रहे हैं। युवा स्वयंसेवक सभी लोगों से कोरोना टीकाकरण करने का आग्रह कर रहे हैं। कोरोना के लक्षण दिखाई देने पर लोगों को चिकित्सा सहायता लेने का सुझाव दे रहे हैं यह अभियान लॉकडाउन के दौरान प्रारम्भ किया गया जो सतत चलेगा। अभियान के दौरान स्वयंसेवक जिला प्रशासन द्वारा जारी लॉकडाउन और रोकथाम दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। स्वयं सेवक लॉकडाउन के पश्चात अनलॉक की प्रक्रिया के प्रारम्भ हो जाने के बाद भी कोरोना गाइडलाइन के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिए नागरिकों से भी अपील कर रहे हैं।

साथ ही इनके द्वारा किये जा रहे सेवा कार्य हेतु प्रशासन द्वारा मास्क,सेनिटाइजर, ग्लव्स आदि भी प्रदान किये जा रहे हैं ताकि स्वयंसेवक/सेविकाएं पूर्ण रूप से सुरक्षित रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।